



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 275] नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 11, 1976/ज्यैष्ठ 21, 1898
No. 275] NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 11, 1976/JYAISTHA 21, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 11th June, 1976

S.O. 414(E)/15A/IDRA/76.—Whereas Messrs Bengal Potteries Limited, Calcutta, owning two industrial undertakings at 45 Tangra Road, and Pagladanga Road, is being wound up under the supervision of the Calcutta High Court and the business of the company is not being continued;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is necessary, in the interests of the general public, and, in particular, in the interests of production of the articles manufactured in the said industrial undertakings, to investigate into the possibility of running or re-starting the afore-said industrial undertakings;

And, whereas, on application under section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), being made by the Central Government to the Calcutta High Court praying for permission to make an investigation into such possibility, the Calcutta High Court has by its order dated the 10th of June, 1976, granted the requisite permission;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making an investigation into the possibility of re-starting the aforesaid industrial undertaking, a body of persons consisting of:

Chairman

1. Dr. S. P. Verma, Deputy Director General, Directorate General of Technical Development, New Delhi.

Members

2. Shri M. K. Kar Gupta, Secretary, Closed and Sick Industries Department, Government of West Bengal, Calcutta.
 3. Shri N. N. Bhattacharya, Manager (Finance), Industrial Reconstruction Corporation of India, Calcutta.
2. The above body shall submit the report to the Central Government by the 30th June, 1976.

[No. F. 2(19)/75-CUC]

P. B. KRISHNASWAMY, Jt. Secy.

उद्योग और नागरिक पूंति संशालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 11 जून, 1976

का० छा० 414 (ख)/15 क/अ.ई० डी० अ.र० ए०/76. —यतः बंगाल पाटरीज लि०, कलकत्ता जो 45, नांगरा रोड और, पगलाडंगा रोड के दो औद्योगिक उपक्रमों का स्वामी है, जिसका कलकत्ता उच्च न्यायालय के पर्यवेक्षण के अधीन परिसमाप्त कर दिया गया है और इस कंपनी का कारबार अब नहीं चल रहा है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि जब भाषाण के दिन में, और विशेषकर, उक्त औद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित वस्तुओं के उत्पादन के क्षेत्र में उपर्युक्त औद्योगिक उपक्रमों को चालू रखने या फिर से चलाने की संभावना का अन्वेषण करना आवश्यक है। और यतः ऐसी संभावना का अन्वेषण करने की अनुज्ञा के लिए प्रार्थना करने हुए केन्द्रीय सरकार द्वारा कलकत्ता उच्च न्यायालय को उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 15 के अधीन आवेदन दिए जाने पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 10 जून, 1976 के आदेश द्वारा अपेक्षित अनुज्ञा दे दी है।

अतः अब उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उपर्युक्त औद्योगिक उपक्रमों को फिर से चलाने की संभावना का अन्वेषण करने के प्रयोजन के लिए एक निकाय नियुक्त करती है जिन में निम्नलिखित व्यक्ति होंगे—

सदस्य

1. डा० ए० पी० वर्मा, उप-सहायक, तकनीकी विकास का महानिदेशालय, नई दिल्ली।

सबन्ध

2. श्री एम० के० कारगुता, भूचिव, अक्षम श्रीर बन्द उद्योग विभाग, पश्चिमी बंगाल की सरकार, कलकत्ता ।
3. श्री एन० एन० भट्टाचार्य, प्रबन्ध (वित्त), भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण निगम, कलकत्ता ।
2. उपर्युक्त निकाय, 30 जून, 1976 तक केन्द्रीय सरकार को अग्रपीरिपोट प्रस्तुत करेगा ।

[नं० फा० 2(19)/75-सी०यू०सी]

पी० बी० कुलगुस्वामी, संयुक्त सचिव ।

